

अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा | डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन, CEO, ANRF का IIT रोपड़ दौरा

रोपड़, 17 अक्टूबर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) रोपड़ को डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन, CEO, एडवांस्ड नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF), भारत का स्वागत करने का गौरव प्राप्त हुआ। यह दौरा देश में बहु-विषयक अनुसंधान और नवाचार के भविष्य को रेखांकित करता है।

अपने दौरे के दौरान, डॉ. शिवकुमार ने प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, IIT रोपड़ के साथ मिलकर हरगोबिंद खुराना भवन (SAB बिल्डिंग) में DREAMS (Dynamic Research Ecosystem in Advanced Materials) अनुदान समूह के लिए PAIR (Partnerships for Advanced Interdisciplinary Research) योजना के तहत नए कार्यालय का उद्घाटन किया। यह पहल उन्नत सामग्री अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पश्चिम भारत के संस्थानों के साथ सहयोग का एक सशक्त मंच है।

अपने संबोधन में, डॉ. शिवकुमार ने ANRF की रणनीतिक दृष्टि साझा की, जिसमें शिक्षा, उद्योग, सरकार और परोपकारी संस्थाओं के बीच गहरे सहयोग के माध्यम से भारत के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की बात कही गई—जो विकसित भारत के राष्ट्रीय मिशन के अनुरूप है। उन्होंने उच्च प्रभाव वाले, बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, जो वास्तविक समस्याओं का समाधान करे और भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाए।

प्रो. राजीव आहूजा ने इन विचारों की पुष्टि करते हुए कहा कि IIT रोपड़ सहयोगी अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करने और अनुसंधान को प्रभावशाली समाधान में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने DREAMS कार्यालय की स्थापना को एक समयानुकूल और परिवर्तनकारी कदम बताया।

डॉ. शिवकुमार ने IIT रोपड़ के प्रमुख नवाचार और उद्यमिता केंद्रों का भी दौरा किया, जिनमें TBIF (Technology Business Incubation Facility) और AWaDH (Agriculture and Water Technology Development Hub) शामिल हैं। उन्होंने अग्रणी तकनीकों पर काम कर रहे शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स से बातचीत की। दौरा Central Research Facility (CRF) के भ्रमण के साथ संपन्न हुआ, जहाँ उन्होंने संस्थान की अत्याधुनिक अनुसंधान संरचना का अवलोकन किया।

IIT रोपड़ नवाचार को बढ़ावा देने, रणनीतिक साझेदारी को सशक्त करने और भारत के अनुसंधान पुनर्जागरण में सार्थक योगदान देने के अपने मिशन पर दृढ़ है—जहाँ अग्रणी वैज्ञानिक खोजें, बहु-विषयक

सहयोग, युवा शोधकर्ताओं और उद्यमियों को सशक्त बनाना, और ज्ञान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं व वैश्विक चुनौतियों के समाधान में बदलना शामिल है।
